सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XX)

GENERAL STUDIES (Test - XX)

मॉड्यूल - XX / Module - XX

DTVF/18(JS)–M–GS20

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anoop

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ____________

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम
(Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर
(Student's Signature): ____________

नोटः प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

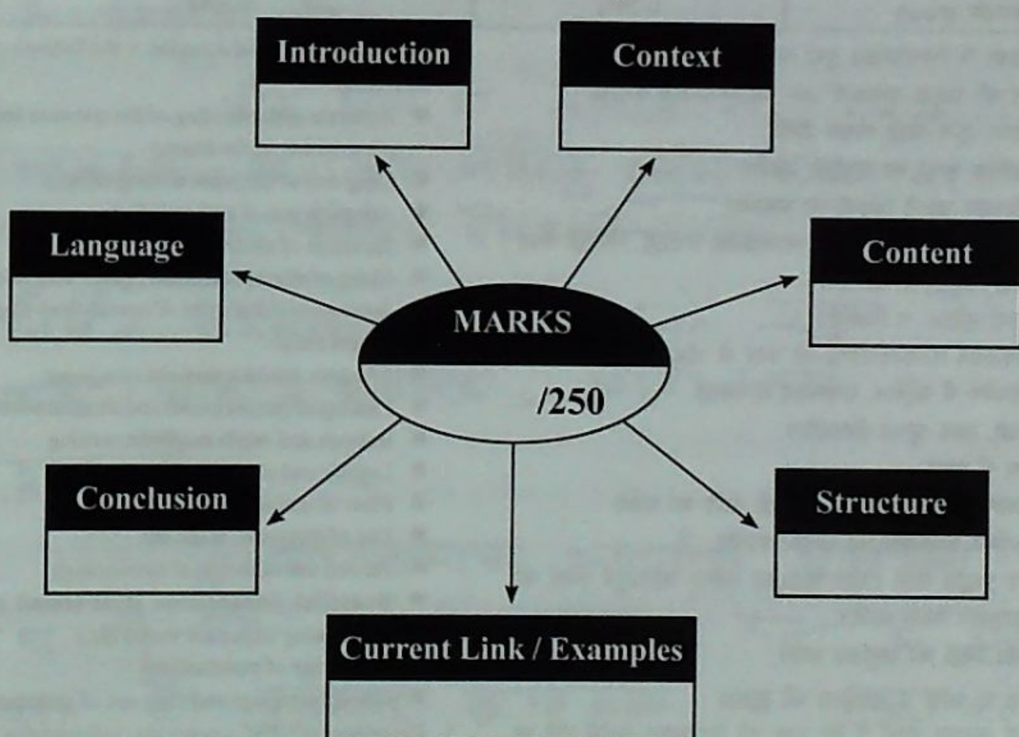

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम ज़रूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

1. 'बौद्ध धर्म ने भारत की स्थापत्य कला के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।' स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

'Buddhism has contributed significantly to the development of Indian architecture.' Elucidate. (200 words) 12.5

बौद्ध धर्म का उदय छठी सदी ईसापूर्व हुआ। बौद्ध धर्म का भारतीय समाज के सभी पक्षों पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा जिसमें से स्थापत्य पर पड़े प्रभाव भी प्रमुख है।

सर्वप्रथम बौद्ध धर्म का सर्वाधिक प्रभाव स्तूप कला के रूप में परिलक्षित होता है इसमें साँची का स्तूप व तोरण द्वार, इस पर उत्कीर्णित मूर्तियाँ व जातक कथाएँ प्रमुख है अन्य स्तूपों में भरहुत व अमरावती का स्तूप प्रमुख है। अमरावती का स्तूप संगमरमर से निर्मित है।

बौद्ध धर्म का प्रभाव न केवल स्तूपकला पर पड़ा अपितु स्तंभ कला पर भी प्रतीत होता है। अशोक के द्वारा निर्मित सारनाथ का स्तंभ इनमें प्रमुख है। यह सिंह, धर्मचक्र, घोड़े आदि से युक्त है।

इसका प्रभाव भारतीय मूर्तिकला पर भी पड़ा जो कि स्थापत्य कला का प्रमुख अंग है। गांधार मूर्तिकला व मथुरा मूर्तिकला

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उससे प्रभावित प्रमुख शैली है
गाँधार मूर्तिकला में महात्मा बुद्ध की यथार्थवादी मूर्तिया निर्मित की गयी है तो मथुरा मूर्तिकला मे आदर्शात्मक स्वरुप प्रदान करते हुए मूर्तिया निर्मित की गयी थी।

बौद्ध धर्म का प्रभाव गुहा स्थापत्यकला पर भी परिलक्षित होता है इसमे अजंता की गुफाएँ प्रमुख हैं जिनमें चैत्य व विहार प्रमुख है यहाँ गुफा संख्या 16, 17 आदि बौद्ध धर्म से मुख्य रूप से प्रभावित है अन्य गुफाओं मे एलोरा, सित्तनवासल व बाघ गुफायें प्रमुख है

भवन निर्माण कला पर भी बौद्ध धर्म का प्रभाव परिलक्षित होता है उत्तर-पूर्वी भारत, लद्दाख मे निर्मित बौद्ध मठ / पैगोडा प्रमुख है मुगलकाल मे अकबर द्वारा निर्मित पंचमहल की आकृति बौद्ध पंचविहारों से प्रेरित है

अतः भारत मे स्थापत्यकला पर बौद्ध धर्म का अविस्मरणीय प्रभाव परिलक्षित होता है यह प्रभाव महायान व हीनयान दोनों से संबद्ध है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. 'स्थापत्य कला भारतीय संस्कृति की विविधता को समझने की कुंजी है।' स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

'Architecture is the key to understanding the diversity of Indian culture.' Elucidate. (200 words) 12.5

स्थापत्यकला से तात्पर्य है किसी समय विशेष में निर्मित भौतिक अवसंरचना से है इसमें भवन, मूर्ति, धार्मिक प्रतिष्ठान आदि शामिल होते है

स्थापत्य कला किसी समय विशेष के शासक वर्ग, जन सामान्य की सामाजिक व धार्मिक अभिरुचियों के साथ-साथ आर्थिक समृद्धता व राजनीतिक स्थिति को भी परिलक्षित करती है

हड़प्पा सभ्यता में निर्मित विशाल स्नानागार, अन्नागार, डॉकयार्ड वहाँ की आर्थिक समृद्धता को प्रकट करते है। सुनियोजित शहरी प्रणाली उनके विकास के उच्च स्तर को दर्शाती है परंतु नगर का दुर्ग व सामान्य क्षेत्र में विभाजन उस समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक विषमता को दर्शाती है

इसके उपरांत मौर्यकाल मे निर्मित बौद्ध मठ तथा इन मठों व स्तंभों का विस्तार उनकी राजनीतिक रूप से सुदृढ़

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्थिति को दर्शाती है। अभिलेखों पर ~~कुछ~~ अशोक द्वारा ननादेशों का उत्कीर्णन लोककल्याणकारी राज्य, सहिष्णुता व प्रेम की भावना को दर्शाती है

चोल वंश के शासकों द्वारा निर्मित विशालकाय मंदिर एक तरफ तो उनकी आर्थिक समृद्धता को दर्शाते है तो दूसरी तरफ राजत्व के दैवीय सिद्धांतों के प्रमाणन को भी दर्शाते है। चोल स्थापत्य के मंदिरों में नृत्य, संगीत, नाट्यकला जैसी गतिविधि भी संचालित होती थी।

अजंता - एलोरा की गुफाओं मे हिंदू, बौद्ध, जैन धर्मों की गुफाओं का समानांतर रूप मे मिलना धार्मिक सहिष्णुता व वैचारिक समन्वय को परिलक्षित करती है

सल्तनकाल व मुगलकाल मे निर्मित स्थापत्यकला मे इस्लामिक व भारतीय तत्वों जैसे ज्यामितीय व कल्ली-शस्तीरों, गुम्बदों का समन्वय देखने को मिलता है यह भारतीय संस्कृति के समावेशी स्वरूप को दर्शाती है

गांधार मूर्तिकला पर यूनानी प्रभाव भी यही परिलक्षित ~~होता~~ करता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनकल्याणकारी स्थापत्य भी प्रमुख है जैसे मंदसौर के अभिलेख की स्थापना रेशम के बुनकरों द्वारा की गयी थी।

अतः स्थापत्यकला किसी समाज में शासकों व जनसामान्य की धार्मिक, सामाजिक अभिरुचियों के साथ-साथ समृद्धता का भी परिणाम होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. लार्ड रिपन एक उदार गवर्नर जनरल था जिसकी नीतियों ने अंग्रेज़ी खेमे में भूचाल ला दिया और भारतीय अंतश्चेतना को झकझोर दिया। समालोचनात्मक मूल्यांकन करें। (200 शब्द) 12.5

Lord Ripon was a liberal governor general, whose policies had threatened the supremacy of British and invigorated the conscience of Indians. Critically examine. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

लार्ड रिपन का कार्यकाल लार्ड लिटन के प्रतिक्रियावादी काल के उपरांत आया। इन्होंने अनेक उदारवादी नीति अपनायी।

इनके कार्यकाल का सबसे प्रमुख उदार कार्य था - इल्बर्ट विधेयक का प्रस्ताव। इस विधेयक में भारतीय न्यायधीशों को भी अंग्रेजी मामलों को भी सुनने का समानता का अधिकार दिया गया।

इसके उपरांत इन्होंने स्थानीय स्वशासन में शक्तियों का विकेंद्रीकरण पंचायत स्तर तक किया, उन्हें वित्त संबंधी व स्थानीय विधि निर्माण संबंधित प्राधिकार प्रदान किए।

साथ ही इन्होंने कारखाना अधिनियम 1882 के माध्यम से कार्य के घंटे निश्चित करने, बाल श्रम को नियमित करने का प्रयास किया।

इन सुधारवादी कार्यों का ब्रिटिशों द्वारा विरोध किया गया। सबसे पहले तो

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उन्होंने इल्बर्ट विधेयक द्वारा भारतीयों को प्रदान की गयी समानता का विरोध किया। अंततः यह विधेयक निरस्त हुआ।

स्थानीय स्वशासन को यद्यपि शक्तियाँ प्रदान की गयी परंतु इनको व्यवहारिक रूप से लागू नही किया गया। ये वित्त की समस्या से जूझते रहे।

कारखाना अधिनियमों का ब्रिटिश बागान मालिकों द्वारा विरोध करने पर इनको वापिस लेकर केवल भारतीय उद्योगों तक सीमित किया गया।

उपर्युक्त कार्यों के कारण भारतीयों ने यह महसूस किया कि ब्रिटिश भारतीयों को अभी समानता देने के पक्ष में नहीं हैं। उनमें नस्लवादी भावना अभी भी विद्यमान है इल्बर्ट विधेयक इसका परिणाम था।

साथ ही यह भी ज्ञात हुआ कि यदि संगठित होकर विरोध किया जाए तो अपनी मांगों को मनवाया जा सकता है अतः इस रणनीति का प्रयोग राष्ट्रीय आंदोलन के समय किया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समग्र रूप से रिपन के कार्यकाल में किए गए कार्यों ने एक तरफ तो औपनिवेशिक मंशा जाहिर की तो दूसरी तरफ भारतीयों में राष्ट्रवाद की भावना को प्रेरित करने का कार्य किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व हुए वामपंथी आंदोलनों की चर्चा करते हुए उनके महत्त्व को स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Discuss the pre-independence growth of leftist movement in India and highlight their importance. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन विभिन्न विचारधारागत आंदोलनों से परिपूर्ण रहा है। इसमें गाँधीवादी, क्रांतिकारी, साम्यवादी, उदारवादी, उग्रवादी विचारधारा प्रमुख है।

वामपंथी आंदोलनो में प्रमुख रूप से क्रांतिकारी व साम्यवादी आंदोलन शामिल है। क्रांतिकारी आंदोलन हिंसात्मक साधनों के माध्यम से ब्रिटिश शासन को उखाड़ना चाहते थे।

प्रारंभ में इनकी कोई विचारधारा नहीं थी परंतु बाद में ये समाजवादी विचारधारा से सम्बद्ध हुआ। इसमें भगतसिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद प्रमुख है।

ये आंदोलन ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या, हथियार जुटाने जैसे गतिविधि संचालित करते थे। ये भारत के साथ-साथ अमेरीका, ब्रिटेन व फ्रांस में भी संचालित थे। जैसे अमेरीका में गदर पार्टी आंदोलन।

इन्होंने आक्रामकता कि प्रतिक्रिया आक्रामता से की तथा सामाजिक ~~आधार~~ आधार

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सीमित होने के कारण ये व्यापक रूप से प्रचारित नहीं हो पाए।

वामपंथी आंदोलन की मुख्यधारा थी- साम्यवादी आंदोलन। यह कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की विचारधारा द्वारा संचालित थी। भारत में इस आंदोलन की संगठित रूप से शुरुआत मानवेंद्रनाथराय द्वारा भारतीय साम्यवादी दल की स्थापना से शुरू हुयी।

इस आंदोलन में ब्रिटिश सत्ता के प्रति समय-समय पर उतार-चढ़ाव आते रहे। जैसे 1930 के दशक में ब्रिटेन का विरोध करना परंतु द्वितीय विश्वयुद्ध के समय समर्थन करना।

कांग्रेस समाजवादी दल यद्यपि लक्ष्यों के रूप में वामपंथी आंदोलन था परंतु साधन गाँधीवादी होने के कारण यह आंदोलन गाँधीवादी प्रवृत्ति से युक्त था।

इन आंदोलनों ने सामाजिक-आर्थिक समानता स्थापित करने की पैरवी की तो साथ ही इन्होंने बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करने का भी विचार प्रस्तुत किया। समाज के शोषित वर्ग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किसान व मजदूरों के उत्थान हेतु भूमि का उचित वितरण, उचित कार्यदशा व वेतन के समर्थन के क्रम में इन्होंने पूँजीवाद का विरोध किया।

इन आंदोलनों का महत्व इस रूप में परिलक्षित होता है कि भारतीय संविधान में लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा के रूप में नीति-निदेशक तत्व इनका तार्किक परिणाम है।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't w anything in this

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. पं. जवाहरलाल नेहरू को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को स्पष्ट करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका का मूल्यांकन करें। (200 शब्द) 12.5

Elucidate the contributions of Pandit Jawaharlal Nehru in the Indian freedom struggle and evaluate his role in the creation of modern India. (200 words) 12.5

पं० जवाहरलाल नेहरू भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रथम पंक्ति के नेता थे। ये गाँधीवादी पद्धति व लोकतांत्रिक समाजवाद में विश्वास रखते थे।

नेहरू की स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान की शुरुआत उस समय होती है जब उन्होंने असहयोग आंदोलन के समय वकालत छोड़ी। इसके साथ ही डोमिनियन स्टेटस के मुद्दे पर इन्होंने मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट का विरोध करके पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की।

लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता में उन्होंने कहा कि पूर्ण स्वतंत्रता हमारा नया लक्ष्य है तो इन्होंने पूँजीवादी शासन व्यवस्था के विरोध में गाँधीवादी व लोकतांत्रिक साधनों के आधार पर समाजवाद को स्वीकृत किया।

इन्होंने देशी रियासतों के सम्मेलन की प्रथम अध्यक्षता करके प्रजामंडल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आंदोलनों को राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्य धारा से मोड़ने का प्रयास किया।

फैजपुर अधिवेशन में किसानों के हितों को स्वीकार किया तो राष्ट्रीय नियोजन समिति की अध्यक्षता स्वीकृत करके औद्योगिक विकास का समर्थन किया।

कैबिनेट मिशन व माउंटबेटन योजना के अंतर्गत वे भारत के प्रधानमंत्री भी बने।

आधुनिक भारत में उन्होंने पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक विकास करने की रणनीति अपनायी। प्रथम योजना में कृषि पर मुख्य बल था तो दूसरी में औद्योगीकरण पर।

इन्होंने भारत के एकीकरण हेतु एवं एकता को बनाए रखने हेतु भी प्रयास किए। जैसे भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन, कश्मीर का भारत में विलय आदि।

संविधान सभा में ये समाजवादी सिद्धांतों, मूलाधिकारों का संविधान में समावेशन करने में सफल रहे।

यही नहीं इन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन व पंचशील के सिद्धांतों के माध्यम से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत - को विकासशील देशों के नेतृत्वकर्त्ता के रूप में भारत को स्थापित किया।

समग्र रूप में देश के आर्थिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन में इनकी अग्रगामी भूमिका रही।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. भारत की विदेश नीति में पंचशील सिद्धांतों के महत्त्व की चर्चा कीजिये। भारत ने इसका व्यावहारिक प्रयोग अपनी नीतियों में किस प्रकार किया है? स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Discuss the importance of the Panchsheel principles in India's foreign policy. How has India embraced it in working of its policies? Justify. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय विदेश नीति में पँचशील के सिद्धांतों (अनाक्रमण, अहस्तक्षेप, सहअस्तित्व, शाँति, सहयोग) की महती भूमिका है।

पँचशील के सिद्धांतों का सबसे बड़ा महत्व यह है कि ये सरकार के स्पष्ट नजरिये को उद्घाटित करते हैं। इससे नीतियों में स्पष्टता है एवं विदेशों में हमारे प्रति सकारात्मक नजरिया स्थापित होने से सॉफ्ट पावर विकसित होती है।

इसके अतिरिक्त गुटनिरपेक्ष आंदोलन की सफलता, शीतयुद्ध की गुटीय राजनीति से दूर रहने, निशस्त्रीकरण के कार्यक्रमों में इसकी भूमिका देखी जा सकती है।

भारत ने इन सिद्धांतों को 1954 में अपनाने के साथ ही अपनी विदेश नीति में इनको क्रियान्वित करना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शुरू कर दिया। जैसे -

→ भारत द्वारा उपनिवेशवाद व साम्राज्यवादी आंदोलनों का समर्थन करना।

→ गुट निरपेक्ष आंदोलन का संचालन करना व विकासशील देशों में समन्वय स्थापित करना।

→ अमेरीका की वियतनाम व कोरिया प्रायद्वीप में भागीदारी तथा रूस की अफगानिस्तान में भागीदारी की आलोचना करना

→ हालिया चीन की आक्रामक नीति विशेषकर दक्षिण चीन सागर पर चीन के नजरिये को वैश्विक संस्थाओं के निर्देश के अनुरूप संचालित करने की सलाह देना।

→ पड़ोसी देशो के साथ समन्वयात्मक ही एक ईस्ट व लुक वेस्ट की नीति।

→ विश्व संस्थाओं का लोकतांत्रीकरण करना
jeu UNSC

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. स्वतंत्रता के बाद आर्थिक विकास में पंचवर्षीय योजनाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही किंतु हाशिये पर पड़े वर्गों की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। टिप्पणी कीजिये। (200 शब्द) 12.5

The Five Year Plans played an important role in post-Independence economic development but it did not improve the condition of the marginalised sections. Comment. (200 words) 12.5

स्वतंत्रता के उपरांत भारत की अधिकांश ~~क्षेत्र~~ उपजाऊ क्षेत्र पाकिस्तान व बांग्लादेश में चला गया जैसे चावल व जूट का क्षेत्र। इससे औद्योगीकरण व खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुयी।

स्वतंत्रता के उपरांत गरीबी, बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने के लिए पंचवर्षीय योजनाओं का सोवियत मॉडल को संशोधित रूप में अपनाया गया।

प्रथम पंचवर्षीय योजना कृषि पर आधारित थी। शेष अन्य योजनाएँ मुख्यतः उद्योगों पर आधारित रही। पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से भारत में हरित क्रांति के माध्यम से खाद्य सुरक्षा निर्धारित की गयी। बढ़ती जनसंख्या के सापेक्ष खाद्य उत्पादन उपलब्ध हुआ एवं निर्यात भी बढ़ा।

इसके साथ ही विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति हेतु भी प्रयास किए गए। द्वितीय पंचवर्षीय योजना में महालनोबिस मॉडल पर आधारित दुर्गापुर, बोकारो आदि क्षेत्रों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में लौह कारखानों की स्थापना को प्रोत्साहित किया गया।

1991 के आर्थिक सुधारों को भी पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से लागू करने का प्रयास किया गया।

पंचवर्षीय योजनाएँ भारत में खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने में तो कामयाब रही परंतु पोषणिक सुरक्षा अभी भी बदहाल है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की 100th स्थिति यही दशा परिलक्षित करती है

तेंदुलकर समिति के मानदंडों की मानें तो भारत की 1/4 जनसंख्या अभी भी गरीब है उनको न तो खाद्य सुरक्षा उपलब्ध है न कि रोजगार व आधारभूत सुविधा।

पंचवर्षीय योजनाएँ केवल उत्तर-पश्चिमी भारत में सफल रही हैं इन्होंने क्षेत्रीय विषमता को तो बढ़ाया ही है साथ ही वैयक्तिक विषमता भी बढ़ायी है इसका लाभ साधन संपन्न कृषक वर्ग ही ले पाए हैं सीमांत व छोटे कृषक व मजदूरों को वांछित लाभ नहीं मिल पाया है

इन्होंने भारतीय कृषि की पारिस्थितिकी को दुष्प्रभावित भी किया है जैसे अतिशय

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उर्वरक व कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि उत्पादकता में गिरावट आयी है।

हाल में सरकार द्वारा पंचवर्षीय योजनाओं का समापन करके नीति आयोग के नेतृत्व में त्रिवर्षीय, सप्तवर्षीय व 15 वर्षीय योजनाओं का संचालन करने का निर्णय लिया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

9. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क द्वारा अपनाई गई रक्त एवं लौह की नीति के पीछे क्या उद्देश्य था? स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

What was the aim of the blood and iron policy adopted by Bismarck in Germany's integration? Explain. (200 words) 12.5

जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क का अविस्मरणीय योगदान रहा है इन्होंने यथार्थवादी व दूरदर्शी नीति के माध्यम से जर्मनी का एकीकरण प्रशा के नेतृत्व में निष्पादित किया।

जर्मनी के एकीकरण में अनेक बाधायें थी जैसे - प्रशा व अन्य जर्मन प्रदेशों में विदेशी प्रभावों की उपस्थिति, सामाजिक - आर्थिक विषमता आदि।

इन समस्याओं के समाधान हेतु रक्त व लौह की नीति अपनायी। यह नीति युद्ध व कूटनीति के समायोजन पर आधारित थी। बिस्मार्क एक यथार्थवादी राजनीतिज्ञ था। वह यूरोप की परिस्थितियों से भली भाँति परिचित था।

वह जानता था कि जर्मनी के एकीकरण में विदेशी सहयोग प्राप्त होना तो दूर की बात है ऑस्ट्रिया व फ्रांस तो एकीकरण में बाधा उत्पन्न करेंगे

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्योंकि एकीकरण से यूरोप में शक्ति-संतुलन जर्मनी में केंद्रित हो सकता है।

इस नीति के माध्यम से एक तरफ तो बिस्मार्क ने प्रतिद्वंद्वियों में पहले मित्रविहीन बनाया। जैसाकि डेनमार्क से युद्ध, सेडोवा का युद्ध (ऑस्ट्रिया), सेडान का युद्ध (फ्रांस) से परिलक्षित होता है।

इसके उपरांत युद्ध की ~~[illegible]~~ परिस्थितियाँ निर्मित करके प्रतिद्वंद्वी द्वारा पहले आक्रमण कराकर अंतर्राष्ट्रीय सहानुभूति करके उसे मित्रविहीन बनाकर युद्ध में पराजित करना। युद्ध के उपरांत शत्रु से उदार संधि करना। ताकि भविष्य में कुरुकागत बदला न हो व सहयोग मिले।

इस प्रकार रक्त व लौह नीति के माध्यम से प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी का एकीकरण हुआ। इसमें अन्य कारकों जैसे नेपोलियन, बौद्धिक, रक्त व लौह (आर्थिक विकास) की भूमिका भी परिलक्षित होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

13. भारतीय महिलाओं के समक्ष जातिप्रथा, धार्मिक परंपरा, प्राचीन प्रचलित व्यवस्थाओं जैसी चुनौतियाँ तो हैं ही, साथ ही उन्हें पहले से अधिक मज़बूत भारतीय समाज के पुरुष सत्तात्मक ताने-बाने से भी लोहा लेना है। कथन के आलोक में भारतीय समाज में प्रचलित कुरीतियों एवं पुरुष सत्तात्मक समाज की भूमिका को महिला सशक्तीकरण के मार्ग में बाधक के रूप में स्पष्ट करें। (200 शब्द) 12.5

The challenges of caste system, religious beliefs and traditional notions are often faced by the Indian women who also have to confront the increasingly strong patriarchal society. In light of this statement, discuss the restrictions imposed by social evils and patriarchal system on empowerment of women in India. (200 words) 12.5

भारत में महिला साक्षरता लगभग 35 तक सीमित है तो कुल महिलाओं का लगभग 87% भाग आर्थिक रूप से कृषि पर निर्भर है। उच्च मातृ मृत्यु दर, निम्न स्वास्थ्य सेवाऐं भी समस्या है।

भारत में जातिप्रथा, धार्मिक परंपरा व प्राचीन व्यवस्थाएँ महिलाओं को द्वितीय लिंग के रूप में स्थापित करती है। इनको ये महिलाओं की भूमिका को केवल घर तक ही सीमित करती है।

भारतीय समाज में यह धारणा है कि पुरुष ही वंश का वाहक होता है अतः निर्णयन क्षमता व संपत्ति संबंधित अधिकारों में उसको प्राथमिकता दी जाती है यही वजह है कि कुल कृषि भूमि का केवल 13% भाग महिलाओं के स्वामित्व में आता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुरुष प्रधान समाज के कारण कन्या भ्रूण हत्या जैसी अमानवीय प्रथा बढ़ने से बाल लिंगानुपात (919) व सामान्य लिंगानुपात में गिरावट हुयी है। यह महिलाओं के खिलाफ अपराधीकरण की प्रवृत्ति को बढ़ाता है।

प्रचलित कुरीति जैसे तीन तलाक, निकाह हलाला, सम्पत्ति का उत्तराधिकारी केवल पुरुष का होना आदि भी महिलाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से तनाव के साथ-साथ उनकी पुरुषों पर आर्थिक निर्भरता को बढ़ाती है।

इसके बढ़ने से महिलाओं की निर्णयन क्षमता बाधित होती है एवं शिक्षा-स्वास्थ्य में निम्न भागीदारी होती है इससे उनकी शासन में भागीदारी सीमित होती है।

बाल विवाह के कारण समय पूर्व प्रसव के साथ साथ रोजगार के अवसरों के सीमित होने से महिला सशक्तिकरण बाधित होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

समग्र रूप से इन समस्याओं से सरकार व समाज दोनों के स्तर पर निपटा जाना चाहिए। एक तरफ सरकारी कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन हो तो दूसरी तरफ सामाजिक जागरूकता स्थापित हो।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. 'सामाजिक असमानता एवं बहिष्कार भारतीय सामाजिक जीवन की एक स्याह वास्तविकता है।' कथन के आलोक में भारत में अनुसूचित जातियों के विरुद्ध होने वाले भेदभावों का वर्णन करें। सरकार द्वारा इनके सशक्तीकरण हेतु किये जाने वाले विशेष प्रयासों का भी उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

'Social inequality and ostracism are a reality of Indian social life.' In light of this statement discuss the discrimination against Scheduled Castes in India and highlight the efforts of the government for their empowerment. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अनुसूचित जनजातियाँ भारत मे लगभग 8.3% जनसंख्या को कवर करती है। इनमे पारंपरिक आर्थिक गतिविधि, भौगोलिक अलगाव जैसी विशिष्टता पायी जाती है।

भारत मै जनजातियाँ निम्नलिखित भेदभावों का सामना करती हैं—

→ सर्वप्रथम तो जनजातियों की अपनी पृथक संस्कृति होती है। अत: शेष लोगों से वैचारिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध न होने के कारण संघर्ष की स्थिति बनती है।

→ सामाजिक क्षेत्र विशेषत: शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने मे इनको भेदभावों का सामना करना पड़ता है

→ इनके द्वारा अधिकांशत: श्रमिकों की भूमिका निभायी जाती है। अत: उचित कार्यदशा व वैतनिक सुविधा न मिलना।

→ वन्य उत्पादों पर अपने अधिकारों के बावजूद

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वंचना का सामना करना।

→ निर्वाचन तंत्र में पर्याप्त भागीदारी नही है इसलिए नीति- कार्यक्रमों मे जनजातीय पक्ष शामिल नही है

→ तथाकथित उच्च जातियों द्वारा इनका शोषण किया जाता है जैसे बंधुआ मजदूरी etc

सरकार ने इन थेरथावों को दूर करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाये हैं- जैसे-

→ अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के माध्यम से जातीय सूचक शब्द, सामाजिक बहिष्कार जैसी क्रिया नियंत्रित करना

→ निर्वाचन क्षेत्र मे भागीदारी वर्धन हेतु जनजातीय क्षेत्रों में पंचायतों का विस्तार (PESA) एक्ट का निर्माण।

→ वन्य उत्पादों की बिक्री, उत्पादन व संग्रहण व वनों मे गतिविधियों के संचालन हेतु वनाधिकार एक्ट 2006।

→ जनजातीय उपयोजना के माध्यम से शिक्षा स्वास्थ्य की गतिविधि का संचालन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ उद्यमिता विकास हेतु स्टैंड अप योजना, राष्ट्रीय S+ केंद्र आदि का विकास।
→ शैक्षणिक विकास हेतु एकलव्य आवासीय मॉडल स्कूलों की स्थापना करना।

अतः बहुआयामी रणनीति अपनाकर तथा नीति - कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के द्वारा भेदभावों को सीमित किया जा सकता है साथ ही विशेष रूप से संवेदनशील जनजातियों पर ध्यान देना जरूरी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

15. तीव्र शहरीकरण एवं पश्चिमीकरण ने भारतीय परंपरागत समुदायों (ग्रामीण भारत) में संयुक्तता को किस प्रकार से प्रभावित किया है? विवेचना कीजिये। (200 शब्द) 12.5

How has the rapid urbanization and Westernization influenced the compositeness of Indian traditional communities (rural India)? Discuss. (200 words) 12.5

भारत की लगभग 31.8% जनसंख्या शहरीकृत है एवं 2030 तक 41% होने की संभावना है शहरी क्षेत्र भारत की GDP में 70% योगदान देते है

शहरीकरण के साथ-साथ शहरों में पश्चिमीकरण जैसे खाद्य आदत परिवर्तन, पश्चिमी जीवनशैली व एकल परिवार का नजरिया आदि भी बढ़ा है

तीव्र शहरीकरण व पश्चिमीकरण का भारतीय परंपरागत समुदायों पर भी प्रभाव परिलक्षित हुआ है

शहरी क्षेत्रों में छात्र के [illegible]/रोजगार के अवसरों में बेतहाशा वृद्धि हुयी है इससे लोगों का शहरों की ओर प्रवास बढ़ा है अतः गाँवों में एकल परिवार की अवधारणा सामने आयी है जनगणना 2011 के अनुसार गाँवों में न्यूक्लियर फैमिली तीव्रता से बढ़ी है

शहरों में पढ़े-लिखे लोग जब पश्चिमीकरण का वातावरण ग्रामीण क्षेत्रों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में लेकर जाते हैं तो उनका सामना पारंपरिक ग्रामीण समाज से होता हैं इससे वैचारिक संघर्ष व तनाव बढ़ता है।

शहरी सुविधाओं का निःसंदेह प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ा है लोगों की आय बढ़ने से गाँवों में शहरी सुविधाओं का विकास हुआ है चूँकि इनकी लागत अधिक होती है अतः सुविधागत विभाजन हेतु आर्थिक संघर्ष सामने आए हैं एवं एकल परिवारों का विकास हुआ।

प्रवसन से कृषि का महिलाकरण होने से महिलाओं की सुभेद्यता बढ़ी है साथ में वृद्ध, दिव्यांग, बच्चे वंचनाओं के शिकार हुए है

शहरी अपराधिक गतिविधि जैसे मादक पदार्थों का सेवन आदि का ग्रामीण क्षेत्रों में विसरण से ग्रामीण संयुक्तता पर प्रभाव पड़ा है

साथ ही सहयोग, समन्वय, वैचारिक सहिष्णुता, संवेदनशील वर्गों के हितों की चिंता जैसे सकारात्मक गुणों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यद्यपि इनका सकारात्मक प्रभाव यह रहा है कि गाँवों में रूढ़िवादिता कम हुयी है, शहरों में रोजगार के अवसरों के कारण लोगों का जीवन स्तर बढ़ा है, स्वास्थ्य व शिक्षागत सुविधाएँ बढ़ी है आदि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

16. क्या कारण है कि अफ्रीका महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों में धनी होते हुए भी औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा महाद्वीप है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिये। (200 शब्द) 12.5

What is the reason that Africa continent, despite being rich in natural resources, is the industrially backward continent? Give logical answer. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अफ्रीका महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से संपन्न है। यहाँ विश्व का लगभग 30% खनिज तेल पाया जाता है। खनिज तेल की दृष्टि से उत्तरी व पश्चिमी अफ्रीका समृद्ध क्षेत्र है।

विशाल सागरीय तटीय रेखा की उपस्थिति परिवहन हेतु सुगम बनाती है। दक्षिण अफ्रीका में हीरा उद्योग, पश्चिमी अफ्रीका व सेंट्रल अफ्रीका में लोहा, मैंगनीज, कोयला की पर्याप्त उपलब्धता है।

परंतु अग्रलिखित कारणों से अफ्रीका औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा महाद्वीप है –

→ नीतिगत अस्पष्टता व अस्थिरता अफ्रीका के औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा होने का प्रमुख कारण है।

वस्तुतः राजनीतिक रूप से अस्थिर सरकारों के कारण निवेश की असुरक्षा से औद्योगिक विकास नहीं हो पाया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ अफ्रीकी देशों के आपसी विवाद व नृजातीय संघर्ष भी औद्योगिक विकास में बाधा उत्पन्न करते है

→ अफ्रीकी देशों की औपनिवेशिक चंगुल से बाद में मुक्ति व शासन प्रणाली में विविधता।

→ पर्याप्त भौतिक व तकनीकी अवसंरचना के न होने के कारण भी औद्योगिक विकास नहीं हो पाया है वस्तुतः उचित परिवहन, अद्यतन खनन तकनीक में पर्याप्त निवेश नहीं हो पाया है

→ अफ्रीकी देशों में निवेश व पूँजी की कमी है यद्यपि हाल में निवेश बढ़ने लगा है इसके कारण संचीयमान प्रभाव (जैसे एक उद्योग के विकास से अनुषंगी ~~विकास~~ उद्योगों का विकास) लागू नहीं हो पाया है

→ अंतर्राष्ट्रीय ~~[illegible]~~ कारक → विभिन्न देशों ने अपने निजी हितों के कारण अफ्रीका की क्षमता संवर्धन में योगदान पर्याप्त नहीं दिया है जैसे- अफ्रीका में अमेरिका की भूमिका केवल खनिज तेल तक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन सभी कारणों से अफ्रीका में पर्याप्त औद्योगिक विकास नहीं हो पाया है अतः उचित संस्थागत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व तकनीकी निवेश, नीतिगत स्थिरता व आपसी विवाद समाधान के माध्यम से औद्योगिक विकास किया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

17. समुद्र, पृथ्वी के ऊपर विभिन्न जलवायवीय एवं मौसमी घटनाओं के जनक ही नहीं अपितु नियंत्रक भी हैं। स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Oceans are not only the father of various climate and seasonal incidents on the earth but also the controller. Explain. (200 words) 12.5

सागरीय भाग पृथ्वी की लगभग 3/4 क्षेत्रफल कवर करते है ये पृथ्वी पर विभिन्न जलवायविक क्रिया जैसे चक्रवात etc के जनक के साथ-साथ नियामक की भूमिका भी निभाते है

सर्वप्रथम तो समुद्र मॉनसूनी जलवायु के साथ-साथ विश्व में वर्षा के वितरण को प्रभावित करते हैं। जैसे दक्षिण एशिया में मॉनसून एल नीनो, हिंद महासागर डाइपोल, सागरीय वायुदाब से प्रभावित होता है एलनीनो की स्थिति में कमजोर मॉनसून उत्पन्न होता है

समुद्री धारायें सागरतटीय मौसम को नियंत्रित करती है। जैसे गल्फस्ट्रीम की धारा उत्तरी अमेरीका के उत्तर पूर्वी भाग में उष्णता बनाए रखती है यह नहीं ये धाराएँ मरुस्थलों के विकास में भी भूमिका निभाती है जैसे महाद्वीपो के पश्चिमी तटों में ठंडी धारा के बहने पर मरुस्थल उत्पन्न होता है पेरु की धारा से

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आयाम। मरुस्थल आदि।

महासागरीय धारायें मत्स्यन हेतु उचित दशाएँ भी उत्पन्न करते है

सागरीय समीरें तटीय जलवायु वाले क्षेत्रों में समताकारी प्रभाव स्थापित करने में भूमिका निभाकर मानव के रहने योग्य बनाती है

उष्णकटिबंधीय चक्रवात व शीतोष्ण चक्रवात सागरीय भागों पर ही उत्पन्न होते है एवं वर्षा, आर्द्रता व तापमान को प्रभावित करते हैं। परंतु सागरीय भाग से संपर्क टूटने पर से समाप्त भी हो जाते है

सागरीय वायुराशियाँ जब महाद्वीपीय भागों पर गमन करती हैं तो वहाँ आर्द्रता, कुहरा व दशाओं को विकसित व नियंत्रित करती है

परंतु समुद्र नियंत्रक की भूमिका भी निभाते हैं। जैसे धाराओं की उत्पत्ति विशिष्ट क्षेत्रों में ही होती है जिसमें कोरिऑलिस बल, वर्षा, हिमपिघलन की भूमिका होती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इसी तरह तटीय पारितंत्र को नियंत्रित करने हेतु चक्रवातीय गतिविधि, सागरीय व स्थल समीर महती भूमिका निभाते है

समग्र रूप मे सागर विभिन्न गतिविधियों के जनक व नियंत्रक की भूमिका निभाकर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते है। परंतु हालिया ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन व तटीय पारितंत्र के ह्रास ने चिंताजनक स्थिति उत्पन्न की है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की मात्रा, आवृत्ति और तीव्रता को निर्धारित करने में 'उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम' की भूमिका को स्पष्ट कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Explain the role of 'the tropical easterly jet stream' in determining the quantity, frequency and intensity of the monsoon rainfall in India. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट धारा की उत्पत्ति तिब्बत पठार के ऊष्मन से होती है यह शिवालिक व विंध्याचल के मध्य क्षोभमंडल में प्रवाहित होती है

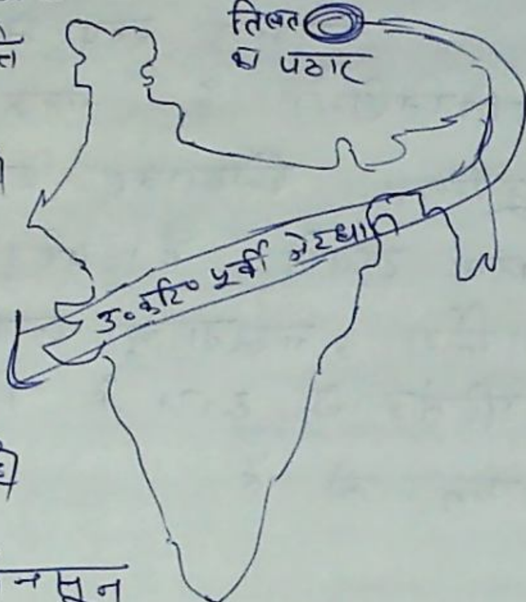

भारत में मॉनसून की उत्पत्ति हेतु यह धारा उत्तरदायी है यह मॉनसून की तीव्रता को प्रभावित करके वर्षा की मात्रा को भी प्रभावित करती है

यदि तिब्बत का पठार अधिक गर्म होगा तो वायु का उर्ध्वप्रवाह तीव्र होने से यह जेट धारा भी अधिक सशक्त होगी इसके सशक्तिकरण का सीधा संबंध पूर्वी अफ्रीका में उच्च दाब व हिंदमहासागर में अधिक तड़ित झंझाओं के विकास से है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

ये सभी कारक भारत में वर्षा में प्रभावित करते है

-पश्चिमी हिंदमहासागर में इनके कारण उच्चदाब तीव्र बनने से मॉनसून पवनों की तीव्रता बढ़ती है फलस्वरूप भारत में अधिक मात्रा में पवनें आती है यदि यह जेट धारा कमजोर हो तो मॉनसून की अवधि छोटी हो जाती है एवं वर्षा कम होती है

यदि यह जेट धारा सशक्त होती है तो भारत में सामान्य वर्षा वितरण प्रतिरूप पाया जाता है जैसे- पश्चिमी घाट में 250 cm, उत्तर-पूर्वी भारत में 250- 300 cm वर्षा।

साथ ही यह जेट धारा उपोष्ण कटिबंधीय जेटधारा को हिमालय के पार प्रतिस्थापित करती है व वर्षा वितरण को सामान्य बनाती है

पूर्वी जेट धारा एलनीनो के प्रभाव को प्रतिसंतुलित करने में भी भूमिका निभाती है यह वाकर सेल को उत्प्रेरित व लघुकरण होने की अवधि को कम करके एलनीनो को नियंत्रित करती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साथ ही पूर्वी गैर धारा पूर्वी भारत में प्रशांत महासागर के अवशिष्ट चक्रवातों को लाकर चक्रवातीय वर्षा कराने में भूमिका निभाती है।

इस तरह स्पष्ट होता है कि अंतरा उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र को अधिक नियत बनाकर यह मॉनसून प्रतिचक्रवात को नियंत्रित करके भारत में मॉनसून को सामान्य बनाने में भूमिका निभाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. पर्यटन से संबंधित लाभों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2017 को 'विकास के लिये स्थायी पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष' घोषित किया गया था। भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में स्थायी पर्यटन के विकास हेतु कौन-कौन से प्रयास किये जाने चाहिये? उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

Given the benefits of tourism, the year 2017 was declared by the United Nations as 'the International Year of Sustainable Tourism for Development'. Enumerate the steps to be taken for promotion of sustainable tourism in the hilly areas of India. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर्यटन एक श्रम गहन उद्योग है भारत के सेवा क्षेत्र का लगभग 10% व रोजगार का लगभग 11% पर्यटन क्षेत्र से आता है यह भारत में विदेशी मुद्रा के आगमन का प्रमुख स्रोत है

यह स्थानीय लोगों की आजीविका को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है एवं परंपरागत कला को संरक्षित करता है साथ ही यह भूस्थानीकरण को सकारात्मक रूप में स्थापित करके सॉफ्ट पावर भी बढ़ाता है

इन लाभों के मद्देनजर ही वर्ष 2017 को विकास के लिए स्थायी पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया है

भारत में पर्यटन विभिन्न रूप में विद्यमान है जैसे इकोटूरिज्म, धार्मिक पर्यटन (मंदिर), ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यटन, मेडिकल व शैक्षणिक पर्यटन आदि।

भारत में पहाड़ी क्षेत्र पर्यटन को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आकर्षित करने में महती भूमिका निभा सकते है इसमें उत्तरी-पूर्वी भारत, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व पश्चिमी घाट के राज्य शामिल है ये राज्य जैवविविधता के साथ-साथ जनजातीय व धार्मिक तत्वों से युक्त है

अतः इन क्षेत्रों में पर्यटन के विकास हेतु निम्नलिखित प्रयास किये जा सकते हैं-

→ उत्तर-पूर्वी राज्यों मे पर्यटनगत अवसंरचना की विशेष कमी है यहाँ पर्यटन सेवा केंद्रों, ठहराव हेतु होटल, परिवहन की कमी है अतः उड़ान योजना का विस्तार करने के साथ-साथ रेल व सड़क का विकास करना।

→ पर्यटन क्षेत्र अभी लगभग धार्मिक व पारिस्थितिक तक ही सीमित है अतः। इसके विविधीकरण की जरूरत है जैसे उत्तरी-पूर्वी भारत में जनजातीय व साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहन देना।

→ पर्यटकों को सुरक्षात्मक माहौल उपलब्ध कराना। जैसे- जम्मू कश्मीर की अलगाववादी गतिविधियों को नियंत्रित करना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ पर्यटन की ब्रांडिंग करना, आधारभूत अवरोध का समापन करना आदि।

→ राजस्थान जैसे क्षेत्रों में चलायी जाने वाली समर्पित रेलों की तरह यहाँ भी संचालन करना।

→ स्वदेश दर्शन योजना के जनजातीय सर्किट, बौद्ध सर्किट का उचित व समयबद्ध क्रियान्वयन करना।

→ उत्तराखंड जैसे क्षेत्रों में बाढ़, भूस्खलन जैसी समस्या से निपटने हेतु उचित सूचना तंत्र का निर्माण करके पर्यटकों को सुरक्षित करना।

→ स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करना व उत्पादों (जैसे पशमीना शॉल) की भी ब्रांडिंग करना।

उपर्युक्त उपायों को अपनाने के साथ सरकारी योजनाएँ जैसे स्वदेश दर्शन, प्रसाद, हृदय का भी समयबद्ध क्रियान्वयन करके पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन का विकास किया जा सकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

20. आधिकारिक एवं गैर-आधिकारिक स्तर पर कई प्रयासों के बावजूद प्रभावी दावानल प्रबंधन अभी भी एक बड़ी चुनौती है। दावानल को रोकने हेतु किये गए प्रयासों की विफलता के कारणों को स्पष्ट करते हुए प्रयासों को और अधिक सफल बनाने के लिये प्रभावी उपायों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Despite several efforts on official and non-official level, effective forest fire management is still a major challenge. While explaining the reasons behind forest fire and failure of efforts, discuss the effective measures to make the efforts more successful. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में पर्वतीय क्षेत्र विशेषकर हिमालय व दक्षिण पर्वत संकुल दावानल से सर्वाधिक सुभेद्य क्षेत्र है

दावानल प्रभावित क्षेत्र

दावानल को नियंत्रित करने हेतु राष्ट्रीय आपदा. प्रबंधन अधिनियम 2005, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना 2016 में इसे शामिल किया गया है साथ ही नो फायर जोन की स्थापना भी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समय-समय की जाती है गहन वन क्षेत्रों में सुभेद्य उद्योगों की स्थापना हेतु पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) को अनिवार्य किया है

दावानल के इन प्रयासों के विफलता के अनेक कारण हैं आधिकारिक स्तर पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this

पर नीतियों व कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन न कर पाना सबसे प्रमुख कारण है

आग लगने पर विभागीय स्तर पर समन्वय का अभाव इनकी विकलता की तीव्रता को बढ़ाता है

आर्थिक गतिविधियाँ निषेधित होने के बावजूद प्लांटिंग, झूम कृषि, अनियंत्रित पर्यटन के कारण भी दावानल की क्रियाएँ घटित होती हैं साथ ही सूचना प्रणाली के संस्थागत तंत्र का न होना एवं उचित प्रक्रिया न होना भी इसके लिए उत्तरदायी है जैसा कि हाल में तमिलनाडु की थेनी पहाड़ियों में देखा गया है

दावानल को नियंत्रित करने हेतु व प्रयासों को सफल बनाने हेतु निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं

→ भौगोलिक सूचना प्रणाली व नाविक के माध्यम से दावानल संवेदनशील क्षेत्रों को तीव्रता के अनुरूप वर्गीकृत करना। ताकि उसी के अनुपात में प्रबंधन किया जा सके।

→ विभागीय स्तर पर समन्वय दावानल से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से पहले, उपरांत व दावानल के समय प्रबंधन हेतु आवश्यक है जैसे इसरो, मौसम विभाग व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

साथ ही राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल को नए उपकरण, नए हेलीकॉप्टरों से सुसज्जित करना।

→ अनियंत्रित आर्थिक गतिविधि व अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण। जैसे उत्तराखंड में पर्यटन का नियमन।

→ स्थानीय लोगों में जागरूकता ताकि अग्नि से युक्त पदार्थों को यत्र-तत्र न फेंके।

→ संवेदनशील कारक जैसे सूखी पत्तियों को समय-समय पर प्रबंधित करना

इस तरह दावानल की आपदा से पारिस्थिति के साथ-साथ मानव को भी बचाया जा सकता है

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

Copyright – Drishti The Vision Foundation